# Dr.Uttam Kumar

## S.R.A.P College,Barachakia

## Mob.No.8210561032

## Session -2023-27

## Faculty - Commerce

## Class-Second Semester

## Subject -Business Organisation

01 February 2024 Thursday

Date 01/02/24

"श्री गणेशाय नमः।"

Online Class

Session - 2023-27

Commerce - Second Semester

S.R.A.P College, Barachakia

Business Organisation (MJC-2)

"प्यार के पश्चात व्यवसाय ही विश्व में सबसे महान एवं सर्वोत्तम है। यह सभ्यता का निर्माता तथा रक्षक है।" - हरबर्ट एन कैसन"।

व्यवसाय की अवधारणा

अवधारणा से अभिप्राय किसी वस्तु, कार्य अथवा व्यक्ति के संबंध में वह विचार, धारणा अथवा आकृति है जो उस वस्तु, कार्य अथवा व्यक्ति की विशेषताओं के कारण दूसरों के मन पर छा जाती है। इसे हम एक उदाहरण से भी समझ सकते हैं। पाँच अँधे दोस्त थे, जो एक साथ चल रहे थे, तो रास्ते में उन्होंने एक हाथी को पकड़ लिया। प्रत्येक ने हाथी के अलग-अलग अंग को पकड़ा और उसी अनुसार हाथी का वर्णन किया। जिसने हाथी का पैर पकड़ा उसने उसे खंभा कहा। जिसने पूँछ पकड़ा उसने रस्सी बतलाया। सूँड़ पकड़ने वाले ने उसे साँप जैसा बतलाया। कान पकड़ने वाले ने सूप जैसा बतलाया और जिसने पेट पकड़ा उसने मशक जैसा बतलाया। ठीक उसीप्रकार व्यवसाय की भी अवधारणा है, जिसने जिस रूप में इसे लिया उसने उसी रूप में इसे वर्णन किया।

अध्ययन की सुविधा को देखते हुए व्यवसाय की अवधारणा को दो शीर्षक में बाँटा जा सकता है-

(1) व्यवसाय की प्राचीन अवधारणा (Old Concept of Business) :- प्राचीन समय में व्यवसाय की अवधारणा सिर्फ मुनाफा कमाना था। जिस कार्य से धन प्राप्त होता था, सिर्फ उस कार्य को ही किया जाता था। जिससे मुनाफाखोरी अधिक था।

(2) व्यवसाय की आधुनिक अवधारणा (Modern Concept of Business) :- आधुनिक समय में व्यवसाय का प्रथम उद्देश्य ग्राहकों को सेवा प्रदान करना है तत्पश्चात संतुष्टि होने पर लाभ प्राप्त करना है।

—x—

| Important Calls | Things to Do | Meetings |
|---|---|---|
| | | |
| | | |
| | | |